(2) (A) मानवीय जीवन शैली ही संस्कृति की अभिव्यक्ति है। संस्कृति (भाषा, धर्म, रीतिरिवाज) के आधार पर विश्व को 10 सांस्कृतिक भागों में बाँटा जाता है।

(1) यूरोपीय सांस्कृतिक प्रदेश :-

उत्तर पश्चिमी यूरोप - आइसलैंड ग्रीनलैंड.
ये संसार के सबसे अधिक प्रगतिशील एवं विकसित भाग।
उच्च साक्षरता 99%.
उच्च नगरीकरण
निम्न जन्म दर.

(2) उत्तर अमेरिकी सांस्कृतिक प्रदेश :-

USA. Canada.
भाषा - English, French.
ईसाई मुख्य आबादी
विश्व का सबसे अधिक विकसित क्षेत्र
उच्च आय, वैज्ञानिक दृष्टि.

(3) लैटिन अमेरिकी सांस्कृतिक क्षेत्र :-

मैक्सिको, मध्य अमेरिका, South America..
कृषि पर आधारित जनसंख्या
भाषा - स्पेनिश, पुर्तगाली.

Scanned with CamScanner

रोमन कैथोलिक, वनों का विनाश, तीव्र नगरीकरण एवं प्रदूषण की समस्या।

(4) इस्लामिक सांस्कृतिक प्रदेश :-

(विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश)

अफ्रीका के उत्तरी एवं दक्षिण पश्चिम एशिया का प्रमुख भाग.

- दुनिया का सबसे विरल आबादी का क्षेत्र.
- अरबी मुख्य भाषा.
- Nomadic पशुचारण.

(5) अफ्रीकी सांस्कृति समूह :- सहारा के दक्षिण में, ईसाई और जनजाति, अफ्रीकी भाषायें, निम्न साक्षरता, निम्न विकास, स्वास्थ्य समस्यायें

(6) भारतीय सांस्कृतिक समूह (दक्षिण एशिया) :-

हिन्दू मुख्य धर्म. हिन्दी मुख्य भाषा.

Indo, Aryan संस्कृति का प्रभाव.

गरीबी, बेरोजगारी, अधिक जनसंख्या

पर्यावरणीय ह्रास ✓

(7) चीन जापान सांस्कृतिक प्रदेश :-

मंगोलिक प्रजाति, बौद्ध धर्म

मंडेरिन भाषा।

80% साक्षरता, तेजी से बढ़ती आबादी।

(8) दक्षिण पूर्वी एशिया :-

मुस्लिम, बौद्ध मुख्य धर्म।

कृषि पर आधारित जन संख्या।

(9) रूसी सांस्कृतिक क्षेत्र :- रूस, साइबेरिया, पूर्वी यूरोप के देश।

लिंगानुपात सर्वाधिक।

आयु - 80 years

(10) आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड सांस्कृति प्रदेश :

साक्षरता दर अधिक

मुख्य आबादी क्रिश्चियन, आदिवासी

विरल आबादी का क्षेत्र।

Scanned with CamScanner

(2)(B) ग्रामीण-नगर उपांत दो तत्वों का संग्रह है, जिसमें एक ग्रामीण उपांत तथा दूसरा शहरी उपांत। अतः ग्रामीण-नगरीय उपांत संक्रमण का प्रतीक है और न तो पूर्णतया ग्रामीण है और न पूर्णतः शहरी। इस मेखला में ग्रामीण और शहरी दोनों प्रकार का तत्व मिलता है।

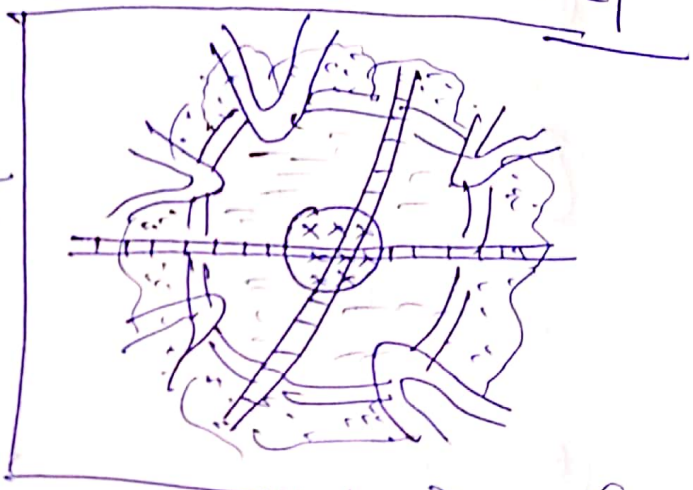

शहरीकरण में तीव्र वृद्धि
↓
शहरी प्रसार
↓
कृषि युक्त भूमि कम (ग्राम-शहरी उपांत)
↓
ग्रामीण भूमि में परिवर्तन
↓
नगर के आकार में वृद्धि

विशेषतायें :-

(1) इसका स्थानान्तरण नगर के मध्यवर्ती भाग से सीमान्त क्षेत्र की ओर होता है। (हवाई अड्डा, गोल्फ कोर्स, बूचड़खाना आदि)

(2) इस क्षेत्र में गहन कृषि की जाती है तथा मुख्यतः उन वस्तुओं की कृषि की जाती है जो जल्दी खराब हों।

(3) आवासीय एवं औद्योगिक भू-उपयोग का अतिक्रमण होता है।

(4) भूमि का उपयोग वैज्ञानिक क्रियाओं में अधिक होता है।

(5) ग्राम नगर उपांत को हरित पट्टी (Green Belt) के रूप में विकसित किया जाता है।

(6) गहन कृषि होने से भूमि के मूल्य में वृद्धि होने लगता है।

(7) नगर के विस्तार योजना के तहत विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षण के लिए उचित भूमि का आवंटन किया जाता है।

(8) मध्यमवर्गीय अतिजीवी लोग इस पट्टी की ओर आकर्षित होते हैं।

ग्राम-नगर उपांत का सीमांकन :—

ग्राम-नगर उपांत की सीमा अनिश्चित एवं अनियमित होती है और नगर के विकास के साथ यह परिवर्तित भी होती रहती है।

Scanned with CamScanner

ग्रामीण नगर की ग्रामनगर उपांत का सीमांकन निम्न बातों को ध्यान में रखकर किया जाता है.

(a) मकानों के प्रकार एवं निर्मित क्षेत्र में अन्तर.

(b) निवासियों का व्यवसायिक संख्या.

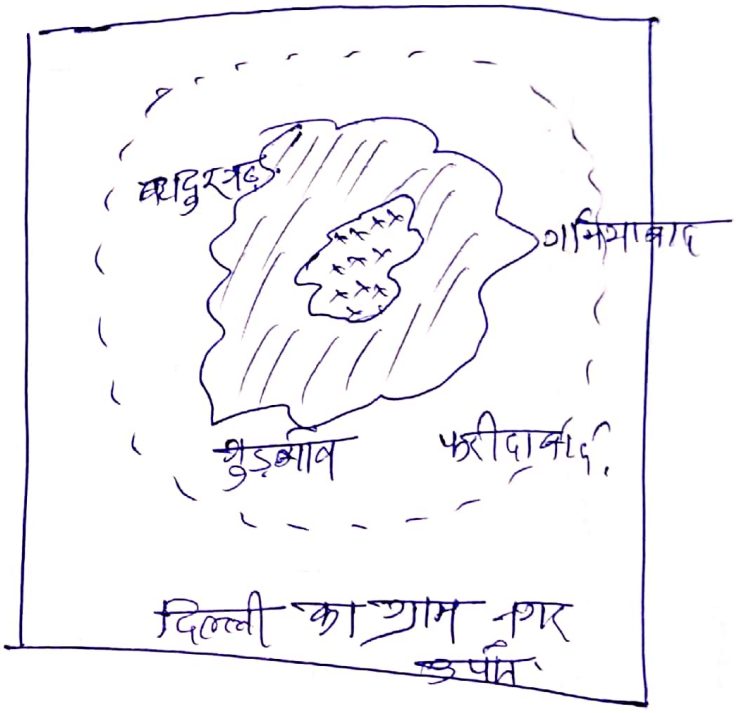

(c) सड़कों का प्रकार एवं स्वरूप.

(d) विभिन्न संस्थाओं एवं औद्योगिक इकाईयों की भूमि.

(e) ईंट भट्ठों की स्थिति.

(f) आवश्यक सेवाओं का सीमा विस्तार.

(g) शिक्षा संस्थाओं का वितरण.